<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 316

05 फरवरी, 2018 को उत्तर के लिए

सेल द्वारा इस्पात उत्पादन

316. श्री वी. एलुमलाईः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सेल द्वारा 16 प्रतिशत बाजार शेयर को लक्षित करते हुए एकदम नई विपणन नीति लाने का विचार है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या वर्तमान वर्ष के अंत तक सेल के चल रहे आधुनिकीकरण की समाप्ति पर इसकी विक्रय योग्य इस्पात उत्पादन की क्षमता 17 मिलियन टन से बढ़कर 21.4 मिलियन टन होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) द्वारा घरेलू खपत के संबंध में दिए गए आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-दिसम्बर, 2017 के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की बाजार हिस्सेदारी 14.9 प्रतिशत थी। सेल की बाजार नीतियां अन्य के साथ-साथ राजस्व अधिकतम प्राप्त करने और इन्वेंटरी को न्यूनतम बनाए रखने पर केंद्रित हैं। इस दिशा में समय-समय पर रणनीतियां बनाई जाती हैं और पहल की जाती हैं। सेल उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भी तैयार हो चुका है।

(ख): सेल ने क्रूड इस्पात की उत्पादन क्षमता को 12.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) से बढ़ा कर 21.4 एमटीपीए करने के लिए भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखण्ड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) और बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) स्थित अपने पाँचों एकीकृत इस्पात संयंत्रों तथा सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य आरंभ किया है। आधुनिकीकरण और विस्तार योजना के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र में कुछ शेष सुविधा को छोड़कर सभी प्रमुख सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है और उन्हें स्थिर बनाया जा रहा है।

*****